>

Title : Need to address the problems being faced by victims affected due to natural calamities in Bihar.

श्री शरद यादव (मधेपुरा): अध्यक्ष महोदया, मैं आपको हृदय से धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। आज इस देश का एक हिस्सा बहुत मुश्किल में बना हुआ है। पहले कोसी के इलाके में बाढ़ आई और पाँच-छः जो जिले हैं, वे तबाही के दौर से गुज़रे। कई लोगों की मौत हो गई, मकान, सड़क वगैरह सब तरफ तबाही मच गई। अभी तूफान आया और इस तूफान की इंटैन्सिटी साइक्लोन से भी ज्यादा थी। इसमें अररिया, पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, सुपौल, मधुबनी, सहरसा और मधेपुरा इलाकों में 90 लोगों की जान चली गई। मकान, दुकान और जितनी फसल थी - चाहे मक्का की थी, केले की थी या सूरजमुखी की थी, जो भी थोड़े बड़े पौधे थे, वे पूरी तरह से ज़मींदोस्त हो गए। जो प्राकृतिक विपदा होती है, वह साझा होती है। आप जानते हैं कि बिहार सरकार की कूवत आर्थिक तौर पर बहुत कमज़ोर है। मैं कल प्रधानमंत्री जी से भी मिला था। मैं पवन बंसल जी से कहना चाहता हूं कि जो बाढ़ आयी थी, उससे ज्यादा इस तुफान में लोग मरे हैं। केवल आधे घंटे में ही सब कुछ तबाह हो गया। उस तुफान की रफ्तार तीन सौ किलोमीटर थी। वहां सभी मकान टिन के हैं, जो कि उस तुफान में बर्बाद हो गए। सरकार से मेरा कहना है, पवन बंसल जी आप मेरी बात सुनिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि इतनी बड़ी तबाही हुई है, आपके पास वहां से लोग आते भी रहते हैं। राज्य सरकार अपनी क्षमता के हिसाब से मदद कर रही है। मैं भी रोज़ मॉनीटरिंग करता हूं, लेकिन यह अकेले राज्य सरकार के कुव्वत में नहीं है। जब बाढ़ आई थी, तब भी आपने मदद नहीं की थी, अब इतनी बड़ी विपदा आयी, तो इसमें भी आपने कोई मदद नहीं की। लाखों लोग तबाह हो गए हैं, उनके घर और रोज़ी-रोटी इसमें चली गई है। लोग भूखों मर रहे हैं। मेरी आपके माध्यम से सरकार से विनती है कि आपसे जो भी बन सकता है, वह कीजिए, क्योंकि संकट और विपदा साझा होती हैं। आप सामर्थ्यवान हैं, लेकिन आपका सामर्थ्य बिहार के प्रति दिखता नहीं है। मैं असत्य नहीं बोल रहा हूं, आज़ादी की लड़ाई से आज तक सबसे ज्यादा तबाह वह इलाका हुआ है। कोसी की बाढ़ के समय एक हजार करोड़ रूपये की मदद के अलावा एक धैले की मदद नहीं की गई, जबकि 14800 करोड़ रूपये का पैकेज मांगा गया था। इसलिए मेरी आपसे विनती है कि यह सवाल गंभीर है और सरकार इस पर तत्काल ध्यान देकर राज्य सरकार की मदद करे।...(व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री और जल संसाधन मंत्री (श्री पवन कुमार बंसल): महोदया, मैं माननीय सदस्य की बात को संबंधित मंत्री जी तक पहुंचा दूंगा।

अध्यक्ष महोदया : आप लोग बैठ जाइए, मंत्री जी ने बोल दिया है।

â€¦(व्यवधान)